RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –II GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES
Unit-II - **MANAGEMENT**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. शुद्ध कार्यशील पूंजी किसे कहते हैं ?

उत्तरः- चालू सम्पत्तियों का चालू दायित्वों पर आधिक्य अर्थात् शुद्ध कार्यशील पूंजी = चालू सम्पत्तियाँ - चालू दायित्व (CA - CL) । यह एक गुणात्मक अवधारणा है।

2. पूंजी दन्तीकरण (केंपीटल गियरिंग) अनुपात से क्या आशय हैं ?

उत्तरः-पूंजी दन्तीकरण अनुपात स्थिर लागत वाली पूंजी व परिवर्तनशील लागत वाली पूंजी के मध्य अनुपात है।
उच्च दन्तीकरण (>।) = स्थिर लागत वाली पूंजी > समता अंशधारियों की पूंजी
निम्न दन्तीकरण (<।) = स्थिर लागत वाली पूंजी < समता अंशधारियों की पूंजी

3. पूर्वाधिकार अंश से क्या तात्पर्य हैं ?

उत्तरः- पूर्वाधिकार अंश पर एक निश्चित दर से लाभांश प्राप्त होता है व पूर्वाधिकार अंशधारियों को समता अंशधारियों से पूर्व लाभांश प्राप्त करने व कम्पनी के समापन की दशा में समता अंशधारियों से पुर्व भुगतान प्राप्त करने का अधिकार होता है।

4. ट्रेड क्रेडिट (व्यापारिक साख) क्या हैं ?

उत्तरः- कच्चे माल अथवा वस्तु के लिए विक्रेता/आपूर्तिकर्ता अपने ग्राहकों को व्यापारिक परम्परा के अनुसार स्वतः ही साख/उधार उपलब्ध करवाता है, यह व्यापारिक साख कहलाती हैं ।

5. सामाजिक लेखा परीक्षा को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः- सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में किसी संगठन के कार्यों का मूल्यांकन ग्राहकों, नागरिकों, कर्मचारियों स्थानीय निवासियों द्वारा किया जाना , सामाजिक लेखा परीक्षा कहलाता हैं। (उदाहरण - ग्राम सभा द्वारा) ।

6. किसी संगठन में पूंजी की लागत की गणना क्यों की जाती हैं? इसका महत्व स्पष्ट करें ?

उत्तर :- किसी संगठन में पूंजी की लागत ज्ञात कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं जिनमें प्रमुख निम्न हैः-

1. पूंजी संरचना का निर्धारण
2. कार्यशील पूंजी के निर्णय में सहायक
3. वित्तीय स्त्रोतों का तुलनात्मक अध्ययन संभव
4. लाभांश नीति निर्माण में सहायक
5. लाभकारी परियोजना के चयन हेतु निर्णयन
6. उच्च प्रबंधन के वित्तीय निष्पादन मूल्याकन में सहायक

7. अंकेक्षण के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए ?

उत्तरः-

प्राथमिक उद्देश्य

- प्रबंधकों को सलाह देना
- वैधानिक मानको की अनुपालना
- कम्पनी की कार्यकुशलता का ज्ञान
- कम्पनी के नीति निर्माण व निर्णयन में सहायक
- उत्तम संगठनात्मक संस्कृति का परिचायक

द्वितीयक उद्देश्य

त्रुटियों व गबन को रोकना व पता लगाना ।

त्रुटि (अनभिज्ञता से)	गबन (जान बुझकर)
▪ सैद्धान्तिक अशुद्धि ▪ भूल की अशुद्धि ▪ क्षतिपूरक अशुद्धि ▪ दोहराव की अशुद्धि ▪ गणना की अशुद्धि इत्यादि	रोकड़ गबन माल का गबन सम्पत्ति का गबन सुविधा का निजी उपयोग इत्यादि

8. उतरदायित्व लेंखाकन व उतरदायित्व केन्द्रों से क्या आशय हैं ? संगठन में इसके क्या लाभ अथवा सीमाएं हैं?

उत्तरः- प्रबधंन को मितव्ययी ,दक्ष व प्रभावी बनानें के उद्देश्य से विभिन्न उतरदायित्व केन्द्रों का निधार्रण कर लक्षित निष्पादन एवं वास्तविक निष्पादन की तुलना की प्रक्रिया उतरदायित्व लेखांकन हैं। इस उद्देश्य हेतु निम्नलिखित उतरदायित्व केन्द्रों की स्थापना की जाती हैं।

i) लागत केन्द्र- लागत को न्यूनतम रखने हेतू

ii) राजस्व केन्द्र - राजस्व को अधिकतम करने हेतू

iii) निवेश केन्द्र- यह निवेश व उस पर लाभार्जन अधिकतम करने हेतू।

उतरदायित्व लेखांकन के लाभ	**उतरदायित्व लेखांकन की सीमा**
1. बजट की कुशलता में वृद्धि 2. लागत नियंत्रण व सभी उत्तरदायित्व केन्द्रों की कुल लागत से वस्तु की लागत का निर्धारण सरल 3. कर्मचारियों की कार्यक्षमता के मूल्यांकन की विधि, इससे उत्पादकता में वृद्धि। 4. प्रतिवेदनों में अपवाद के सिद्धांत द्वारा प्रबंधन अर्थात् सामान्य अवधारणाओं मे समय व्यर्थ नहीं। 5. व्यावसायिक नियोजन व निर्णयन सहायक 6. प्रबंधकों में उतरदायित्व भावना में वृद्धि।	**1.** उतरदायित्व केन्द्रों का निर्धारण कठिन कार्य 2. लागतों का वर्गीकरण कठिन व अनिंयत्रणीय लागतों के कारण कम प्रभावी 3. कर्मचारियों में समूह भावना का न होना इसका क्रियान्वयन कठिन बना देता हैं। 4. खर्चीली प्रणाली 5. सामान्य कर्मचारियों द्वारा विरोध 6. विभागीय प्रतिस्पर्धा की अति होने की संभावना व कर्मचारियों को अधिक कुशल विभाग से कम कुशल विभाग में स्थानांतरण पर विरोध

सारथि प्रकाशन